IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सृजनशील एवं असृजनशील विद्यार्थियों में इंटरनेट जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययन

सीमा सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर ;शिक्षा विभाग द्ध

रजत कॉलेज लखनऊ

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन श्सृजनशील एवं असृजनशील विद्यार्थियों में इंटरनेट जागरूकता का तुलनात्मक अध्ययनष लिया गया है। प्रस्तुत शोधपत्र के शोध उद्देश्य के रूप में माध्यमिक विद्यालयों के छात्र.छात्राओं में सृजनशील एवं असृजनशीलता का अध्ययन करना एवं इंटरनेट जागरूकता का अध्ययन करना है। वर्तमान अध्ययन की शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। न्यायदर्श के अंतर्गत लखनऊ नगर के माध्यमिक विद्यालय के **100** विद्यार्थियों को शोध कार्य हेतु चुना गया। निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि सृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या **1** अस्वीकार की जाती है। असृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या **2** अस्वीकार की जाती है। सृजनशील तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या **3** स्वीकार की जाती है। सृजनशील तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या **4** स्वीकार की जाती है। सृजनशील छात्रों तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या **5** अस्वीकार की जाती है। सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। अतः परिकल्पना संख्या **6** अस्वीकार की जाती है।

प्रस्तावना

शिक्षा मानव के जीवन में उस प्रकाश के समान हैए जो उसे आजीवन सही दिशा की ओर प्रेरित होने के लिए प्रकाशित करती रहती है। आज शिक्षा के माध्यम से जनजीवन में नई.नई तकनीकों का समावेश होता जा रहा है जिसके माध्यम से बड़ों से लेकर बच्चों तक विभिन्न तकनीकों का प्रयोग सुलभ हो रहा है। इसके साथ ही उनके ज्ञान में बढ़ोतरी हो रही हैए जिसके फलस्वरूप यह अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति की ओर अग्रसरित हो रहे हैं। व्यक्ति की सृजनात्मकता विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशाओं में अपना योगदान सुलभ करा रही है और यह योगदान अधिक सृजनात्मक होगा तभी उसका प्रभाव व्यापक रूप से पड़ेगा। सृजनशील व्यक्तियों में गलतियों को सहन करने की क्षमता अधिक होती है उन्हें गलतियों से भय नहीं लगता। उनके द्वारा समाधान के लिए जो विधि प्रयोग की जाती है वह बहुत अधिक विस्तृत होती है जिसके कारण कभी.कभी इन्हें गंभीर समस्या का सामना भी करना पड़ जाता है। यह किसी भी समस्या का समाधान अनुकूलता व प्रतिकूलता आदि को ध्यान में रखकर करते हैं। इनमें प्रतिकूल वस्तुओं को सहन करने की क्षमत्ता पाई जाती है।

इनमें प्रतिकूल वस्तुओं को सहन करने की क्षमता पाईजाती है। सृजनात्मक व्यक्ति अपनी सृजन क्षमता से नए विचारोंए आविष्कारोंए तकनीकी के विकासए पुराने यंत्रों में परिवर्तन एवं पुराने विचारों की त्तार्किक विवेचनाए सिद्धांतों के समर्थनए नई खोजों या सिद्धांतों के विकास से स्वयंए समाजए राष्ट्र एवं पूरे विश्व को सुख.सुविधाएं एवं लाभ पहुंचाता रहा है।

आज का दौर डिजिटल प्लेटफॉर्म का हैए जहां पर विद्यार्थी अपनी दिनचर्या का अहम हिस्सा उस पर गुजारता है जिससे बच्चों की सृजनात्मकता पर सोशल नेटवर्किंगए व्हाट्सएपए फेसबुकए ट्विटर का प्रभाव पड़ता है। वर्तमान परिदृश्य में छोटी से छोटी जानकारी के लिए बच्चे इंटरनेट के उपयोग पर बल देते हैं और अपनी समस्या का समाधान इसकी मदद से कर लेते हैं। कुछ नया लीक से हटकर करने का प्रयास नहीं करते हैं। इंटरनेट के प्रति जागरूकता उसकी सृजनात्मकता पर किस प्रकार का प्रभाव डाल रही है। यह जानने के लिए सृजनशील तथा असृजनशील विद्यार्थियों का चुनाव समस्या हेतु किया गया है।

आवश्यकता

वर्तमान समय में तीव्र गति से हो रहे वैज्ञानिकए औद्योगिक तथा तकनीकी विकास तथा आधुनिकीकरण ने मानव जीवन को इतना जटिल तथा समस्याग्रस्त बना दिया हैए कि इन समस्याओंके समाधान हेतु जीवन के हर पहलू में सृजनशीलता की आवश्यकता महसूस की जा रही है। आज के समस्याग्रस्त जटिल समाज में जहीं हर क्षेत्र में एक.दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ मची हैए वहीं सृजनशील व्यक्तियों की अत्यंत मांग है। जहां सोशल नेटवर्क पूरे विश्व में अपना पैर पसार रहा है। आम जीवन में इसकी विभिन्न शब्दावलियाँ उतनी ही खास होती जा रही है। सृजनशील तथा असृजनशील विद्यार्थियों में इंटरनेट जागरूकता का स्तर क्या है। उनमें इंटरनेट के माध्यम से ज्ञान अर्जित व ग्रहण करने की उत्सुकता का स्तर क्या है। वह अपने

ज्ञान का विस्तार करने में इसकी कितनी सीमा तक मदद लेते हैं। जो बच्चे सृजनशील है तथा जो बच्चे असृजनशील हैंए उनमें इंटरनेट जागरूकता का स्तर क्या है।

संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण

निम्नलिखित शोधार्थियों ने सृजनात्मकता व इंटरनेट जागरूकता से संबंधित कार्य किए हैं जिसमें निम्न प्रमुख हैं. नारायणए शिव ;2020द्धए कुमारए सुरेंद्र ;2018द्धए द्विवेदीए पूजा ;2021द्धए कुमारीए सुमन ;2019द्धए जैनए अमिता ;2019द्धए नरूकाए संतोष ;2018द्ध आदि।

प्रमुख पदों की संक्रियात्मक परिभाषा

माध्यमिक विद्यालय उत्तर प्रदेश राज्य की माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा माध्यमिक विद्यालय के अंतर्गत माध्यमिक कक्षा 9 व 10 तथा उच्च माध्यमिक कक्षा 11 व 12 आता है।

सृजनशील और असृजनशील विद्यार्थी सृजनात्मकता से अभिप्राय रचना संबंधी योग्यताए नवीन उत्पाद की रचना करना। यह किसी कार्य को कुछ नए ढंग से करने के लिए प्रेरित करती है। सृजनात्मकताए व्यक्ति द्वारा किसी जटिल समस्या का विद्वतापूर्ण समाधान करने की योग्यता हैए जो अपने में निहित विभिन्न विशेषताओं समस्या के प्रति सजगताए गतिशील वैचारिकताए लचीलापनए मौलिकताए जिज्ञासाए नवीनता हेतु परिवर्तन की आकांक्षा के माध्यम से रचनात्मकता उत्पन्न करती है। उपकरण के माध्यम से सृजनशील व असृजनशील विद्यार्थियों की पहचान की गई।

इंटरनेट जागरूकता इंटरनेट परिचालन में व्यवहित शब्दों की अवधारणा या ज्ञान की सजगता ही इंटरनेट जागरूकता है।

शोध के उद्देश्यरू माध्यमिक स्तर के सृजनशील और असृजनशील छात्र.छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता का अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पना

1ण सृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है।

2ण असृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है।

3ण सृजनशील तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है।

4ण सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है।

5ण सृजनशील छात्रों तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है।

6ण सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता में सार्थक अंतर नहीं है।

शोध अध्ययन की विधि प्रस्तुत लघु शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्शरू लखनऊ नगर को चार जोन में बांटकर प्रत्येक जोन के **4.4** विद्यालयों से उद्देश्यपूर्ण विधि द्वारा विद्यार्थियों को चुना गया। कुल **100** विद्यार्थियों को शोध कार्य हेतु चुना गया।

शोध के चर

- **स्वतंत्र चर रू सृजनशील विद्यार्थीए असृजनशील विद्यार्थी**
- **आश्रित चररू इंटरनेट जागरूकता**

उपकरणरू सृजनशील और असृजनशील के मापन हेतु शोधार्थिनी ने बीके पासी के द्वारा निर्मित पासी टेस्ट आफ क्रिएटिविटी टेस्ट का प्रयोग किया गया। इंटरनेट जागरूकता के मापन हेतु शोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित इंटरनेट जागरूकता परीक्षण का प्रयोग किया गया।

शोध की परिसीमा

1ण प्रस्तुत शोध में लखनऊ नगर को लिया गया है।

2ण शोध में माध्यमिक स्तर के अन्तर्गत कक्षा **10** के ही विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है।

3ण शोध में केवल सृजनशील और असृजनशील विद्यार्थियों को लिया गया है।

परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

सृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता का मध्यमानए मानक विचलन एवं क्रांतिक मूल्य का विश्लेषण एवं व्याख्या।

सारणी संख्या.1

कुल विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रांतिक मूल्य
सृजनशील छात्र	20	54ण5	11ण2	38	2ण102′
सृजनशील छात्राएं	20	62ण3	12ण3		

¼पहदपपिबंदज ंज 0ण05 स्मअमस

व्याख्यारू तालिका से स्पष्ट है कि कुल सृजनशील छात्रों की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः **54ण5ण 11ण2** प्राप्त हुआ है। जबकि कुल सृजनशील छात्राओं की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः **62ण3** व **12ण3** प्राप्त हुआ है। स्वतंत्राश संख्या **38** पर क्रांतिक मूल्य का मान **2ण10** है। प्राप्त क्रांतिक मूल्य का मान

सार्थकता के एक स्तर ;0ण्05द्ध से अधिक है। जो इंटरनेट जागरूकता के संबंध में सृजनशील छात्र.छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर को दर्शाता है। अतः परिकल्पना संख्या 1 अस्वीकार की जाती है।

असृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट का मध्यमानए मानक विचलन एवं क्रांतिक मूल्य का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी संख्या.2

कुल विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रांतिक मूल्य
असृजनशील छात्र	30	59ण्9	9ण्43	58	3ण्97''
असृजनशील छात्राएं	30	61ण्9	11ण्53		

'.पहदपपिबंदज ंज 0ण्05 समअमस – 0ण्01

व्याख्यारू तालिका से स्पष्ट है कि कुछ असृजनशील छात्रों की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः 50ण्9 एवं 9ण्43 प्राप्त हुआ हैए जबकि कुल असृजनशील छात्राएं जिनकी इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः 61ण्9 एवं 11ण्53 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्राश संख्या 58 पर क्रांतिक मूल्य का मान सार्थकता के दोनों स्तरों से अधिक है जो इंटरनेट जागरूकता के संबंध में असृजनशील छात्र छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर को दर्शाता हैए अतः परिकल्पना संख्या.2 अस्वीकार की जाती है।

सृजनशील तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता का मध्यमानए मानक विचलन एवं क्रांतिक मूल्य का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी संख्या.3

कुल विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रांतिक मूल्य
सृजनशील छात्र	20	54ण्5	11ण्2	48	1ण्18 छे
असृजनशील छात्राएं	30	50ण्9	9ण्43		

NS-Not Significant

व्याख्यारू तालिका में स्पष्ट है कि कुल सृजनशील छात्रों की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः 54ण्5 वह 11ण्2 प्राप्त हुआ है जबकि कुल असृजनशील छात्राओं की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः

50ण्9 व **9ण्46** प्राप्त हुआ है। स्वतंत्राश संख्या **48** पर क्रांतिक मूल्य का मान सार्थकता के दोनों स्तरों से कम है जो इंटरनेट जागरूकता के संबंध में सृजनशील छात्र तथा असृजनशील छात्र के मध्य सार्थक अंतर को नहीं दर्शाता है अतः परिकल्पना संख्या.**3** स्वीकार की जाती है।

सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता का मध्यमानए मानक विचलन एवं क्रांतिक मूल्य का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी संख्या.4

कुल विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रांतिक मूल्य
सृजनशील छात्राएं	20	62ण्3	12ण्3	48	0ण्115छै
असृजनशील छात्राएं	30	61ण्3	11ण्53		

छै. छवज ैपहदपपिबंदज

व्याख्यारू तालिका से स्पष्ट है कि कुल सृजनशील छात्राओं की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः **62ण्3** व **12ण्3** प्राप्त हुआ है जबकि कुल सृजनशील छात्राओं की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान हुआ मानक विचलन क्रमशः **61ण्9** ओवर **11ण्53** प्राप्त हुआ है। स्वतंत्राश संख्या **48** पर क्रांतिक मूल्य का मान सार्थकता के दोनों स्तरों के मानो से कम है जो इंटरनेट जागरूकता के संबंध में सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर को नहीं दर्शाता है। अतः परिकल्पना संख्या **4** स्वीकार की जाती है।

सृजनशील छात्रों तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता का मध्यमानए मानक विचलन एवं क्रांतिक मूल्य का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी संख्या.5

कुल विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रांतिक मूल्य
सृजनशील छात्र	20	54ण्5	11ण्20	48	2ण्26′
असृजनशील छात्राएं	30	61ण्9	11ण्53		

*** -Significant at 0.05 level**

व्याख्यारू तालिका से स्पष्ट है कि कुल सृजनशील छात्रों की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान व मानक विचलन क्रमशः **54ण5** हुआ **11ण20** प्राप्त हुआ है जबकि कुल सृजनशील छात्राओं की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान हुआ मानक विचलन क्रमशः **61ण9** व **11ण3** प्राप्त हुआ है। स्वतंत्राश संख्या **48** पर क्रांतिक मान सार्थकता के एक स्तर **0ण05** से अधिक है जो इंटरनेट जागरूकता के सृजनशील छात्रों व असृजनशील छात्राओं के मध्य सार्थकअंतर को दर्शाता है अतः परिकल्पना संख्या **5** अस्वीकार की जाती है।

सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता का मध्यमानए मानक विचलन एवं क्रांतिक मूल्य का विश्लेषण एवं व्याख्या

सारणी संख्या.6

कुल विद्यार्थी	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्वतंत्रता अंश	क्रांतिक मूल्य
सृजनशील छात्राएं	20	62ण3	12ण3	48	3ण51''
असृजनशील छात्र	30	50ण9	9ण43		

****Significant at 0.05 level & 0.01**

व्याख्यारू तालिका से स्पष्ट है कि सृजनशील छात्राओं की0इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान तथा मानक विचलन क्रमशः**062ण3** व **12ण3** प्राप्त हुआ है। जबकि असृजनशील छात्राओं की इंटरनेट जागरूकता का मध्यमान तथा मानक विचलन क्रमशः **50ण9** व **9ण46** प्राप्त हुआ है। स्वतंत्राश संख्या **48** पर क्रांतिक मान सार्थकता के दोनों स्तरों से अधिक है। जोकि इंटरनेट जागरूकता के संबंध में सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्रों के मध्य सार्थक अंतर को दर्शाता है। अतः परिकल्पना संख्या **6** अस्वीकार की जाती है।

शोध निष्कर्ष

1ण सृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

2ण असृजनशील छात्र तथा छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

3ण सृजनशील तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

4ण सृजनशील तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

5ण सृजनशील छात्रों तथा असृजनशील छात्राओं में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

6ण सृजनशील छात्राओं तथा असृजनशील छात्रों में इंटरनेट जागरूकता के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1ण सुलेमानए डॉण मोहम्मद ;2002द्धय उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञानए मोतीलाल बनारसीदासए दिल्ली

2ण सिंहए डॉण राणा बलवन्त ;2014द्धय भारत मे शिक्षा व्यवस्था का विकासए विनोद पुस्तक मन्दिरए आगरा.2

3ण कपिलए एण्केण ;2012द्धए अनुसंधान विधियाँए एचण्पीण भार्गव बुक हाउस

4ण भार्गवए डॉण महेश ;2015द्धय विशिष्ट बालक शिक्षा एवं पुनर्वासए एचण्पीण्भार्गव बुक हाउसए आगरा

5ण आर्यए डॉण मोहनलाल ;2017द्धय अधिगम और शिक्षणए आरण लाल बुक डिपोए मेरठ

6ण सुलैमानए डॉण मुहम्मद ;2005ए 2006द्धय मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँए जनरल बुक एजेन्सीए पटना कॉलए लोकेश ;2009द्धय शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणालीए विकास

7ण पब्लिसिंग हाउस प्राण्लिण्ए नई दिल्ली ओडए एलण केण ;2006द्धरू शैक्षिक प्रशासन एवं विद्यालय संगठन आगराए विनोद पुस्तक मन्दिर

8ण सिंहए आरण ;2019द्धय ष्हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की सोशल मीडिया के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षा शोध मन्थनए टवसण्5ए छव.2 ৺छ.2395.728ग

9ण अग्रवालए जेण्सीण ;2017द्धए शैक्षिक तकनीकीए सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकीए विनोद पुस्तक मन्दिरए आगरा.2

10ण गुप्ताए डॉण एसण्पीण एवं गुप्ताए डॉण अलका ;2015द्धए सौंख्यिकीय विधियोंए शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद